भारत सरकार

(जनजातीय कार्य मंत्रालय)

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या. †137

उत्तर देने की तारीख 14.09.2020

जनजातीय संस्कृति को बढ़ावा देना

†137. श्री जयंत सिन्हाः

क्या जनजातीय कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश में जनजाति और उनसे संबंधित अध्ययन के लिए कोई केन्द्र है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त केन्द्रों के निर्माण और विकास का समर्थन करने के लिए ऐसी योजनाओं, कार्यक्रमों और प्रावधानों का ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा जनजातीय संस्कृति, अभिलेखों और कलाकृतियों के संरक्षण और संवर्धन के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं; और

(घ) झारखंड में, विशेषरूप से हजारीबाग और रामगढ़ जिलों में, मंत्रालय की प्रमुख पहलों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्यमंत्री

(श्रीमती रेणुका सिंह सरुता)

(क) से (ग) : जी, हां। जनजातीय कार्य मंत्रालय 'जनजातीय अनुसंधान संस्थान को सहायता' और जनजातीय उत्सव, अनुसंधान, सूचना एवं जन-शिक्षा नामक स्कीम का संचालन कर रहा है जिनके तहत जनजातीय अनुसंधान अध्ययन संबंधी मुद्दों और समृद्ध जनजातीय सांस्कृतिक विरासत के उन्नयन तथा जनजातीय कार्यों से संबद्ध जनजातीय व्यक्तियों/संस्थानों के क्षमता निर्माण, सूचना के प्रसार और जागरूकता सृजन जैसी विभिन्न गतिविधियां की जाती हैं और जनजातीय मुद्दों के संबंध में ऑडियो विजुअल दस्तावेजी फिल्मों सहित अनुसंधान अध्ययन/ प्रकाशन योग्य पुस्तकों/अभिलेखीकरण के विभिन्न कार्य करने के लिए उत्कृष्टता केंद्रों (सी.ओ.ई) जैसे संस्थानों/संगठनों की पहचान की जाती है और उन्हें मान्यता प्रदान की जाती है ।

(घ) : सरकार ने रांची में जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय स्थापित करने के लिए राज्य सरकार के प्रस्ताव को अनुमोदन प्रदान कर दिया है। झारखण्ड में 78 ईएमआरएस स्थापित करने के लिए भी स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। लघु वन उत्पाद एकत्रित करने वाले जनजातीय लाभार्थियों के पारिश्रमिक-लाभ में वृद्धि के लिए झारखण्ड में 39 वन धन विकास केंद्र (वीडीवीके) भी स्वीकृत किए गए हैं जिनमें से 2 हजारीबाग जिले में और एक रामगढ़ जिले में है ।

*****